

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

सदस्य सचिव,
उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,
त्वरित न्यायालय परिसर, देहरादून ।

न्याय अनुभाग - 2

देहरादून : दिनांक : 1 नवम्बर, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-2008 के लिए अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से अतिरिक्त धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-584/रा०वि०से०प्रा० देहरादून/2007, दिनांक 29.10.2007 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 5-दो(5)/XXXVI(1)/2007-1-दो(5)/07, दिनांक 1.8.2007 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष को आबंटित आवास 47, ई०सी०रोड, देहरादून के भवन संख्या-1 व 2 के साज-सज्जा हेतु मद संख्या-08-कार्यालय व्यय से रुपये 50,000(रुपये पचास हजार रुपये मात्र) एवं संलग्न बी०एम० 15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद संख्या-45-अवकाश यात्रा व्यय में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम० 15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद संख्या-08-कार्यालय व्यय में रु० 1,00,000/- (एक लाख रुपये मात्र) की धनराशि के व्यावर्तन के पश्चात् मद संख्या-08-कार्यालय व्यय से कुल रुपये 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि को व्यय करने की महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (I) उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि से मा० कार्यपाल अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आवास की साज-सज्जा हेतु केवल मानक के अनुसार निष्प्रयोज्य घोषित होने वाली साज-सज्जा को ही प्रतिस्थापित करने हेतु धनराशि का आहरण किया जायेगा और शेष धनराशि को राजकोष में जमा कर दिया जायेगा और इसकी सूचना 2 माह के अन्दर शासन को भी उपलब्ध कराया जाय । जो साज-सज्जा ठीक है और निष्प्रयोज्य करने योग्य नहीं है उसका प्रयोग किया जाय ताकि अनावश्यक शासकीय धनराशि का अपव्यय न हो ।
- (II) व्यय से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय ।
- (III) सामग्री का क्रय डी०जी०एस० एण्ड डी की दर अथवा टेण्डर/कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए किया जाय तथा व्यय मानक के अनुसार ही किया जाय । क्रय की जाने वाली सामग्री का मदवार विवरण धनराशि सहित कार्य समाप्ति के एक माह के अन्दर शासन को उपलब्ध कराया जाय ।

(IV) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-05-राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण-00- 08-कार्यालय व्यय" के नामे डाला जायेगा ।

4- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या यू०ओ० 1026/XXVII(5)/2006, दिनांक 1.11.07 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक : बी०एम०-15

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)

सचिव ।

संख्या : 14-दो(5)/XXXVI(1)/2007-1-दो(5)/07-टी०सी०-तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।

बी. एम.-15

पुनर्विनियोग 2007-2008 आयोजनोत्तर

नियंत्रक अधिकारी का नाम- सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून ।
प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।

1	2	3	4	5	6	7	8
वजत प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरलस) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है ।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 1 में अवशेष धनराशि	अन्य विवरण
2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-800-अन्य व्यय-00-05-राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण	-	-	100-क	2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-800-अन्य व्यय-00-05-राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण	300	-	क-नित्यव्यय का कारण उत्पन्न व्यय
45-अवकाश यात्रा व्यय	100	-	100	08-कार्यालय व्यय	100-ख	-	ख-प्राविधान व होने एवं आवश्यकता होने के कारण ।
कुल धनराशि	100	-	100		300	-	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से वजत मैनुअल के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया है ।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त विभाग

संख्या-1026-क/ XXVII(5)/2007

देहरादून : दिनांक : 1 नवम्बर, 2007

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी),
उत्तराखण्ड, ओबाराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड,
माजरा, देहरादून ।

संख्या-14-दो(5)XXXVI(1)2007-1-दो(5)07-टी.सी.-तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून ।
2. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
5. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन/एनआईसी/सम्बन्धित सहायक/गाई बुक ।

एन.एन.धर्माचार्य,
अपर सचिव, वित्त ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।